भोले दी हो गई सगाई

भोले दी हो गई सगाई

धुनः मथे ते चमकन वाल अज मेरे बनड़े दे (पंजाबी)

भोले दी हो गई सगाई, जी वधाई होवे ।।

शिव शंकर कैलाश दा राजा,
बन गया शैल दा जवाई-जी वधाई होवे.

वज्ञे ढोल मरदंग मजीरे,
वज्ञ रही है शहिनाई जी वधाई होवे.

नच्च रहे गण, संत भगत जन,
नच्च रही सकल खुदाई जी वधाई होवे.

गरी शवारे, मिशरी मेवे,
बट रहे फल ते मिठाई जी वधाई होवे.

देवी देव 'मधुप' खुश होए,
खुश ने सब भैंण भाई जी वधाई होवे.

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34431/title/bhole-di-ho-gyi-sagai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |